Biblical Mandate for Evangelism

Session - 2

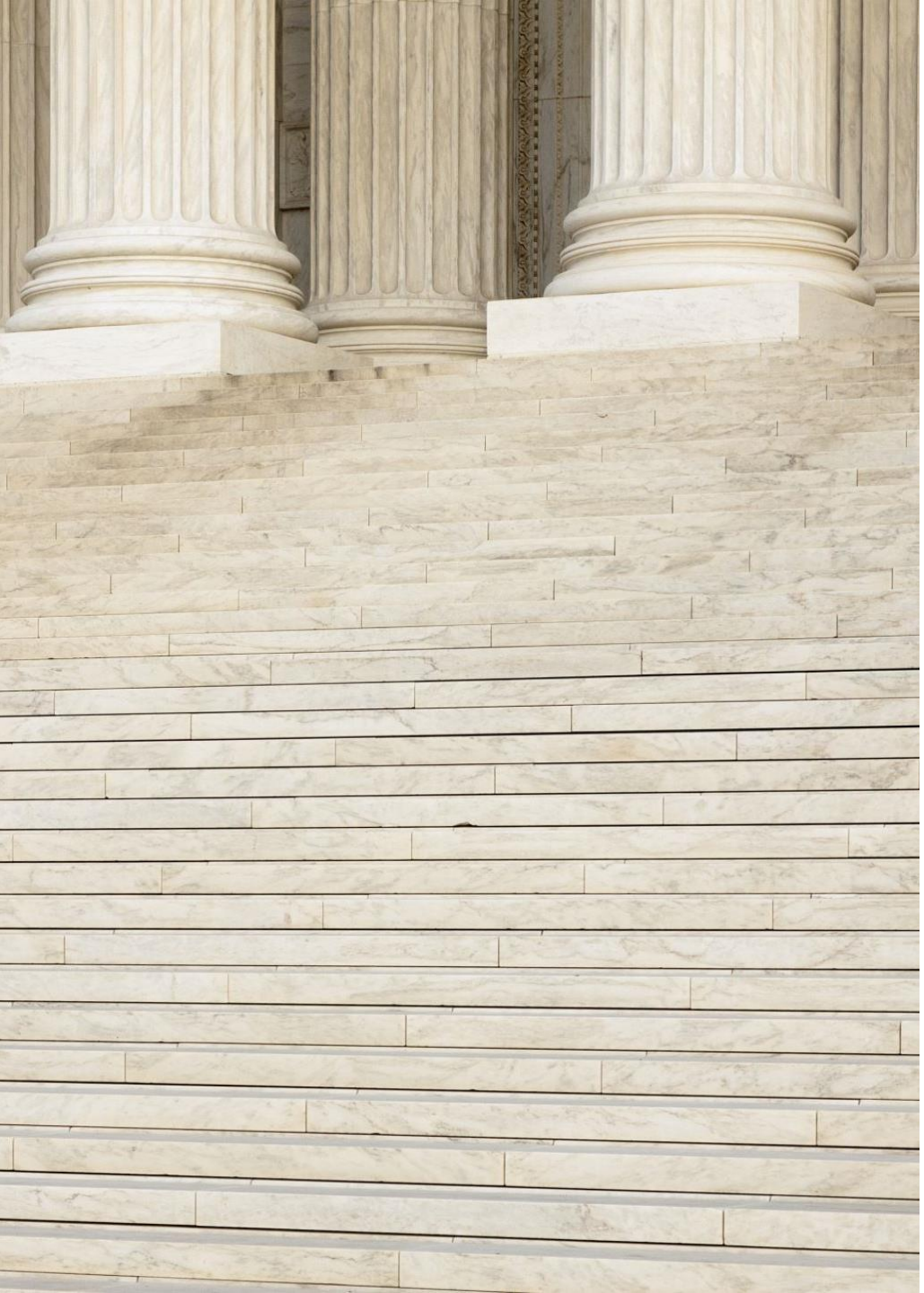

"The fool has said in his heart that there is no God" (Ps.14:1)

मूर्ख ने अपने मन में कहा है, कोई परमेश्वर है ही नहीं।

- Apart from Scripture, the greatest proof is that every believer experience the presence and fellowship of God daily and constantly.
- पवित्रशास्त्र के अलावा, सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि प्रत्येक आस्तिक प्रतिदिन और निरंतर ईश्वर की उपस्थिति और संगति का अनुभव करता है।

Ex: When Billy Graham was confronted in Communist Moscow about the proof of God's existence, he said: "today morning I have talked to God."

उदाहरण: जब बिली ग्राहम से कम्युनिस्ट मॉस्को में ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा: "आज सुबह मैंने ईश्वर से बात की है।"

Christian view of Salvation: (Divine effort)

Salvation (*sōtēria* in Greek) is being saved or protected from harm or being saved or delivered from a dire situation.

- In Christianity, Salvation is saving of the soul from sin and its consequences.
- उद्धार आत्मा को पाप और उसके परिणामों से बचा रहा है।
- In other words, **Salvation** is the redemption from sin in general and original sin in particular is made possible by the life, death, and resurrection of Jesus, which in the context of **salvation** is referred to as the Redemption from sins.
- दूसरे शब्दों में, मक्ति सामान्य रूप से पाप से मक्ति है और विशेष रूप से यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान द्वारा संभव है,।

Salvation is a miracle change. Has the miracle has taken place in your life? Yes or No? मोक्ष एक चमत्कारिक परिवर्तन है। क्या आपके जीवन में चमत्कार हुआ है? हाँ या ना?

- A person is either saved or lost. Either you are in Christ or outside.

एक व्यक्ति या तो बच गया है या खो गया है। या तो तुम मसीह में हो या बाहर।

- Are you married? Yes or No? You can't say: My marriage is taking place since 10 years. There is no half-way.

क्या तुम शादीशुदा हो? हाँ या ना? आप यह नहीं कह सकते: मेरी शादी 10 साल से हो रही है कोई आधा रास्ता नहीं है।

- **Salvation** is also simply called as **Born again**. फिर से जन्मे। People would often ask us: Are you saved, or are you born again which means: Have you received or experienced Salvation?

लोग अक्सर हमसे पूछते हैं: क्या आप बच गए हैं, या क्या आप फिर से पैदा हुए हैं जिसका अर्थ है: क्या आपने उद्धार प्राप्त किया है या अनुभव किया है?

- Jesus replied, "Very truly I tell you, no one can see the kingdom of God unless they are born again" (Jn.3:3). यीशु ने जवाब दिया, "बहुत सही मायने में मैं तुमसे कहता हूँ, कोई भी परमेश्वर के राज्य को नहीं देख सकता जब तक कि वे फिर से न जन्मे।

- Born again includes your repentance of sins.

फिर से जन्म लेने मतलब आपके पापों का पश्चाताप होना है।

- Godly repentance brings Salvation. A person is saved or not is known by his acts of repentance.

ईश्वरीय पश्चाताप उद्धार लाता है। किसी व्यक्ति उद्धार उनकी कार्यों के द्वारा जाना जाता है।

- **Salvation** is a free gift by God's grace. It is *"sola gratia."*

ईशु मसीह के अनुग्रह से उद्धार मुफ्त मे दिया है।

उध्दार हमें कैसे मिलेगा?

Salvation is attainable only through faith in the Lord Jesus Christ.

- "For it is by grace you have been saved, through faith and this is not from yourselves, it is the gift of God, not by works, so that no one can boast" (Eph.2:8-9). क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है।और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।
- So Salvation is justifying a sinner by Christ's death which was an atonement for the sins.
- इसलिए उद्धार मसीह के क्रूस के द्वार हमारे पापों का प्रायश्चित किया गया था।

- Salvation is attainable through faith alone in Christ, through His Grace alone and in Christ's righteousness alone. केवल मसीह में विश्वास के माध्यम से मुक्ति प्राप्त की जाती है, केवल उनके अनुग्रह के माध्यम से और अकेले मसीह की धार्मिकता से ।
- This is the Gospel, the core of Christian faith around which all other Christian doctrines are centered and based. यह वह सुसमाचार है, जो ईसाई धर्म का मूल है जिसके चारों ओर अन्य सभी ईसाई सिद्धांत केन्द्रित और आधारित हैं।

ASSURANCE OF SALVATION IS BASED ON 3-ASPECTS:

उद्धार के निश्चयता के तीन बिंदु।

1) **The Witness of the Holy Spirit**: पवित्रा अत्मा के गवाही

2) **The Word of God**: परमेश्वर के वचन

3) **Changed life**: बदला हुआ जीवन

- Everyone around us would see a change in our life and lifestyle. When we are saved, we are truly born again.

हमारे आस-पास हर कोई अपने जीवन और जीवनशैली में बदलाव देखेगा। जब हम उध्दार पाते हैं, तो हम वास्तव में फिर से जन्म लेते हैं।

- Therefore, if anyone is in Christ, the new creation has come: The old has gone, the new is here!" (2 Cor.5:17).

यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं।

"हम जानते हैं, कि हम मृत्यु से पार हो कर जीवन में पहुंचे हैं" (I Jn.3:14).

यीशु ने कहा: "मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएं, और बहुतायत से पाएं।" (Jn10:10).

Eg. A comparison of caterpillar and Butterfly.

For a changed life, the following qualities can be seen:

i. **New thoughts**: नए विचार:

ii. **New dynamics**: नई गतिशीलता:

iii) **New motivation**: नई प्रेरणा:

iv. **New look and make up or New lifestyle**: नया रूप और मेकअप या नई जीवनशैली

v. **New deeds (works):** नए काम:

vi. **New direction**: नई दिशा:

vii. **New living:** नया जीवन

Ex: Life of Paul, People of Nineveh, Nicodemus, Timothy, Martin Luther, St. Augustine, DL Moody

- **The Fruit of Salvation- उध्दार के फल**

1. **Election चुनाव** (Rom.9:10-13) God's choice of an individual or group for a specific purpose or destiny.

2. **Propitiation पापों को ढ़ापना** (Rom.3:25). The removal of God's punishment for sin through the perfect sacrifice of Jesus Christ

3. **Redemption** छुटकारा: (Rom.3:24; 8:23)

Jesus Christ has paid the price so we can go free. The price of sin is death; Jesus paid the price.

यीशु मसीह ने कीमत चुकाई है ताकि हम मुक्त हो सकें। पाप की कीमत मृत्यु है; यीशु ने कीमत चुकाई।

4. **Justification:** धर्मी टहराया: (Rom.4:25; 5:18)

God's act of declaring us "not guilty" for our sins, making us "right" with him.

हमारे पापों के लिए हमें "दोषी नहीं" घोषित करने का परमेश्वर का कार्य, हमें उसके साथ "सही" बनाना।

5. Sanctification: (पवित्रीकरण): Rom.12:1; 5:2; 15:16

Becoming more and more like Jesus Christ through the work of the Holy Spirit. Set apart for good works.

पवित्र आत्मा के कार्य के द्वारा यीशु मसीह के समान बनना, उनके कार्य के अलग रहना।

6. Glorification: (महिमायुक्त होना):(Rom.8:18, 19, 30)

The ultimate state of the believer after death when he or she becomes like Christ (1 Jn.3:2).
मृत्यु के बाद विश्वासी की अंतिम अवस्था जब वह मसीह के समान हो जाता है।

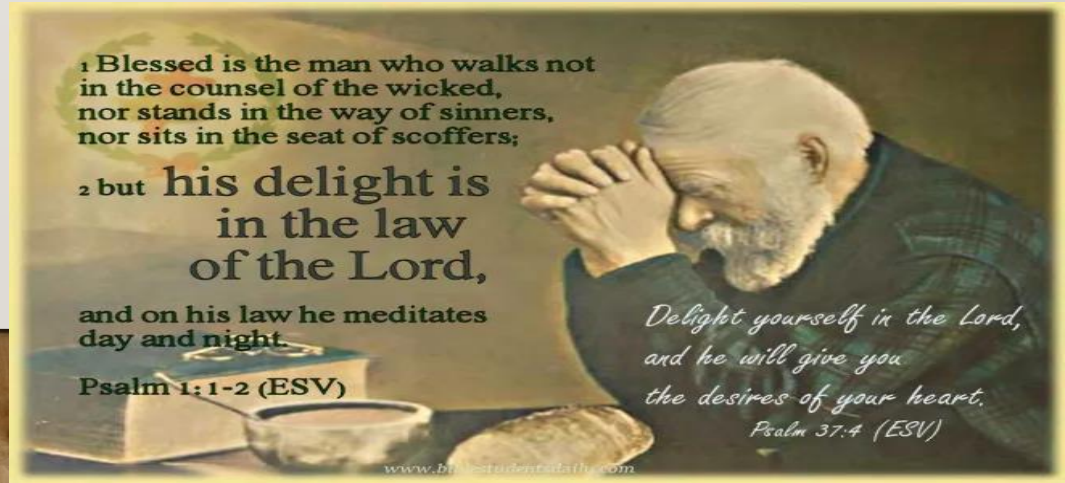

A simple formula to experience Salvation

Remember ABRAM (our Grand old father)

A - Accept that you are a sinner.
स्वीकार करें कि आप पापी हैं।

B – Believe that Christ Jesus came to save you.
विश्वास करें कि ईशु मसीह आपको बचाने के लिए आये थे।

R – Repent for your sins and ask for forgiveness.
अपने पापों के लिए पश्चाताप करें और क्षमा मांगें।

A - Accept that Christ Jesus as your personal Saviour.
उस मसीह यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें।

M – Mould your life according the Word of God
अपने जीवन को परमेश्वर के वचन के अनुसार चले।

Missionary to Auca tribe - SA

- He is no fool who gives what he cannot keep to gain what he cannot lose.

वह निर्बुध्दि नही है, जो चीज पा नही सकते हैं उसको खो जाय,

जो चीज नही खोना चाहते है, उसके लिए बाकी सारे चीज खो जाय।

- Jim's wife and daughter went to live with the Aucas after Jim was killed.
- Can you imagine choosing to live in the Auca or any other village after such a tragedy?

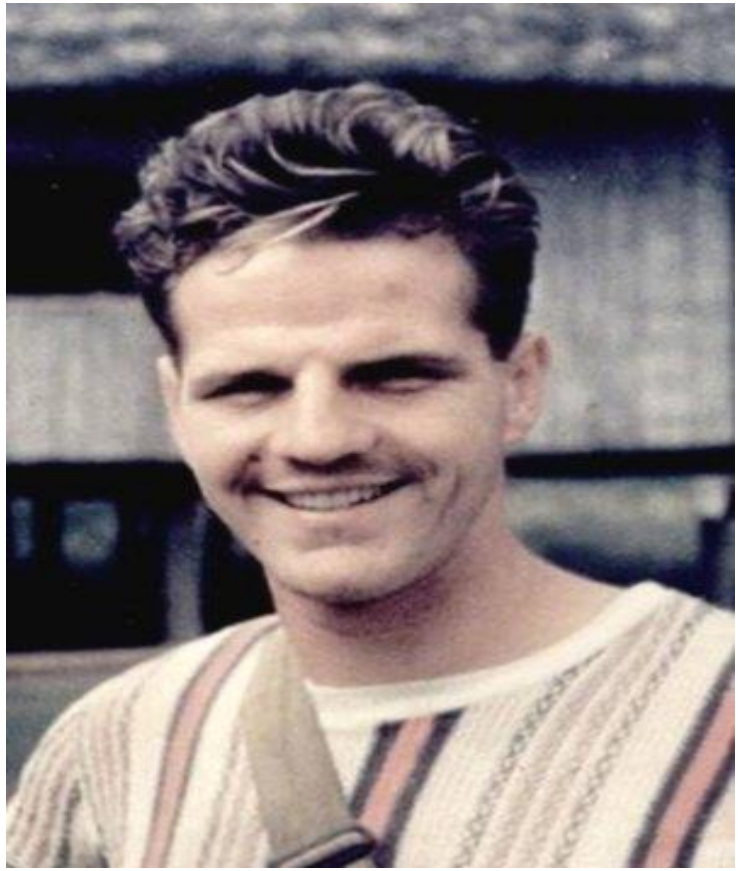

Jim Elliot

1927 – 56 (29 yrs.)

WHAT IS YOUR CHOICE?

- Jesus is calling you. यीशु तुम्हें बुला रहा हैं।
- Are you willing? तुम इच्छुक हो?
- Please do not delay. कृपया देर न करें.
- If you don't have the Salvation you are eternally doomed.

यदि आपके पास उध्दार नहीं है तो आप हमेशा के लिए बर्बाद हो जायेंगे।

- The consequences of not having salvation are too frightening.

उध्दार न पाने का परिणाम बहुत भयानक होते हैं।

- Come today and right now.

आज और अभी आओ.

कलीसिया के प्रमुख कार्य:

सुसमाचार के प्रचार इस प्रकार होना है।

- **Culturally relevant.** सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक हो।
- **Contextualized properly** उचित ढंग से सन्दर्भित किया गया है
- **Comprehend simply (Easily understandable)**
  सरलता से समझें (आसानी से समझने का योग्य)
- **Balanced – highlighting Sin, Salvation, eternal life and the cost of discipleship.**

संतुलित - पाप, उध्दार, अनंत जीवन और शिष्यत्व की कीमत पर प्रकाश डालना।

पवित्र शास्त्र के अनुसार सुसमाचार का अर्थ, मसीह ईशु की घोषणा करना, अपनी उपस्थिति द्वारा, वचन के द्वारा और पवित्र अत्मा पर विशास करेअते हुए धर्मशास्त्र का उपयोग करके मसीह ईशु के शिष्य बनना, और कलीसियाअ के जिम्मेदार सदस्य बनना

- डा. बिल्ली ग्रेहम

पवित्र शास्त्र के आधारित कलीसिया:

1) सुसमाचारीय: परमेश्वर का वचन नूतन एवं सुधार।
2) सार्वभौमिक : वचन संपूर्ण, समस्त मानव जाति एवं सारे जगत के लिये.
3) चमत्कारीय: जो पवित्रात्मा के शक्ति पर निर्भर है।

WHAT IS YOUR MISSION?
आपका मिशन क्या है?

I) <u>पुराना नियम में:</u>

- अब्रहाम: परमेश्वर ने यह नही पूछा: क्या तुम हूर छोडकर कानान जाओगे। (Gen.12:1-3)
- मूसा: (Ex.3:10)
- योहोशु: (Joshua 1:1-2)
- जेरुब्बाबेल (Ezra2:2ff)
- एज्रा (Ezra 7:1-6)
- नेहमाया: (Neh.1:4ff)

नया नियम के अनुसार:

- **<u>परमेश्वर के आज्ञा पाँच बार</u>:**

  a) Matt. 28:18-20; b) Mk.16:9-20; c) Lk.24:46ff

  d) Jn. 20:19-23; e) Acts 1:2,3,8.

- ईशु मसीह के १२-सिष्य पूरा संसार मे सुसमाचार फैलाया।
- किसको भेजूं या मुझे ही जाना है?
- जाना वैकल्पिक नही है, लेकिन इसमें सभी शामिल होने का निमंत्रन है।
- मै तम्हे भेज रहा हूं, यह वचन सबके लिए और हर मसीही कए लिए.

- **पतरस और पौलूस के मिशन**: (प्रेरित के काम में)
- **कलीसिया के मिशन: (Acts 2:42-47)**
- **कलीसिया के अन्दर के चेहरा।**
- **कलीसिया के बाहर के चेहरा ।**
- **हमारा बुलाहट यशायाह या, जेरुब्बाबेल या, येज्रा के समान नही, परन्तु हमारा बुलाहट पूरा संसार के लिये है।**

6. जब तक मनुष्य फिर से जन्म नही लेता, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नही कर सकता। (यहुन्ना 3:3)
7. पाप की मजदूरी मृत्यु है। (रोमि 6:23)
8. नरक वास्वतिक है जो कि न्याय के द्वारा अनंत दूरी है। (मर 9:47, कुरि 6:9-10 प्रकाशित 20:15, 21, 8)
9. जब तक कोई सुसमाचार नही सुनेगा, कोई विश्वास नही करेगा । (रोमि 10:9)
10. हाय मुझ पर यदि मैं प्रचार न करू (।कुरि 9:16-11)
11. यीशु मसीह ने कहा सब बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओं मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। (मत्ती 11:28)

Gospel is Go (d) Spel (t) --- GO SPELL

सुसमाचार कहाँ प्रचार करें?

प्ररित 1: 8 येरूशलेम = गृहनगर

यहुदा = पड़ोसी नगर

सामरिया = एक ही देश की दूसरी संस्कृति

संसार का अंत = दूसरे राज्य, देश इत्यादि

यहुन्ना 10: 16 **विभिन्न भेड़ो का बाड़े का तात्पर्य**

विभिन्न समुदाय, देश, भाषा इत्यादि

सुसमाचार किसे सुनाया जाय ?

संपूर्ण जगत में मत्ती 24: 13, सभी देशों में मत्ती 28: 19, सभी जींव मरकुस 16: 15 लूका 24: 47

कौन प्रचार कर सकता है ?

परमेश्वर उन सबकों बुलाता है जिन्होने उद्धार पाया है एवं परमेश्वर के लहू से धोये गये है । तुम मेरे गवाह ठहरोगे (प्रेरित 1: 9)। 1 पत 2:12.

कब सुसमाचार का प्रचार करें ?

सभी समयों में सब मौसम में (2 तिमों 4: 2)
हर एक अवसर या मौके का छुटकारे के लिये फायदा उठाना, अभी समय है आज ही उद्धार का दिन है ।

पवित्रशास्त्र को कैसे प्रचार करें ?

इसकी बहुत सी विधियां है हर विधि अपने स्थान व संदर्भ में प्रभावशाली है । हर एक विधि सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक हालात के अनुसार भिन्न है । परिस्थिति एवं रूचि के अनुसार नई विधियों का भी प्रयोग होना चाहिये । इसीलिए कोई भी विधि संपूर्ण या सर्वोच्च नही।

प्रभु यीशु मसीह ने सुसमाचार प्रचार को फैलाने के लिये विभिन्न विधियों का प्रयोग किया है ।

जैसे मंदिर में पवित्र शास्त्र की व्याख्या व्यक्तिगत एवं सामूहिक सुसामाचार, बीमारों को चंगा करना दृष्टांतों एवं उदाहरणों के द्वारा इन विधियोंका प्रस्तुत किया है ।

FATHER OF MODERN MISSIONS

- 42 भषाओं में बईबिल को अनुवाद.
- सति और बच्चों के शादीयों को रोका है।
- पहला Printing Press.
- Post office, Savings Bank
- Steam Engine.
- सेरंपूर में उनका University.
- Bhagvad Gita और Ramayana को अनुवद किया

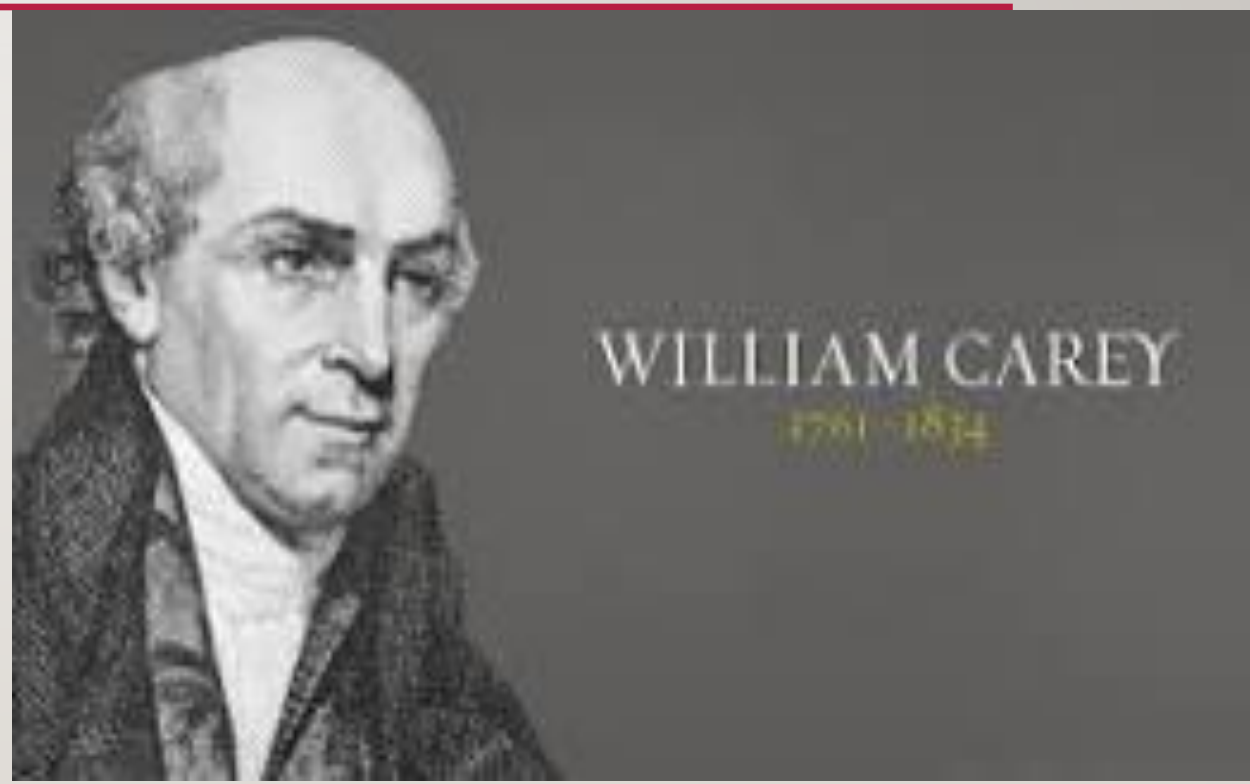

May the Lord help us to be a good Witness

Thanks for your Patient hearing

For more details, please contact: K. Ravikumar,
Mob.8986873994, Email: katiravikumar@gmail.com

For PPT- www.katibibletitbits.com